मेरे जीवन का मकसद तू है

मेरे जीने का कारण तू है

मैं जीऊँ या मरूँ,

वो तेरे लिए है

तू मेरा प्रभु ।

1. पिछला सब भूलकर,

मैं आगे दौड़ा चलूँ,

जो मेरे लिए धन था,

उसको मैं त्‍याग दूँ,

कि मैं पाऊं उससे पुरस्‍कार

दौड़ा मैं जाऊँ,

मैं जीऊँ या मरूँ.....

2. मुझ पर हुई है कृपा,

बेकार न जाने दूँ,

जिसने मुझे है चुना,

उसकी ओर मैं बढ़ूँ,

देखूँ तेरी सलीब पर,

खिंचा मैं जाऊँ,

मैं जीऊँ या मरूँ.....